नवभारत
| संस्थापक : स्व. रामगोपाल माहेश्वरी | प्रेरणा स्त्रोत : स्व. प्रफुल्ल माहेश्वरी |

भारत-वियतनाम : एशिया की नई रणनीतिक धुरी

भारत और वियतनाम के संबंध अब केवल कूटनीतिक मित्रता तक सीमित नहीं रहे, बल्कि वे एशिया की बदलती भू-राजनीति में एक नई रणनीतिक धुरी के रूप में उभर रहे हैं. वियतनाम के राष्ट्रपति टू लाम की भारत यात्रा और दोनों देशों के बीच 13 महत्वपूर्ण समझौतों पर हस्ताक्षर इस बात का संकेत हैं कि नई दिल्ली और हनोई अब आर्थिक, सामरिक और तकनीकी स्तर पर दीर्घकालिक साझेदारी की दिशा में आगे बढ़ चुके हैं. द्विपक्षीय संबंधों को 'विस्तारित समग्र रणनीतिक साझेदारी' तक ले जाना केवल औपचारिक घोषणा नहीं, बल्कि हिंद-प्रशांत क्षेत्र में शक्ति संतुलन की नई परिकल्पना है.

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और राष्ट्रपति टू लाम के बीच हुई वार्ता में वर्ष 2030 तक द्विपक्षीय व्यापार को 25 अरब डॉलर तक पहुंचाने का लक्ष्य तय किया गया है. यह लक्ष्य केवल व्यापारिक आंकड़ा नहीं, बल्कि दोनों देशों की आर्थिक पूरकता का प्रमाण है. भारत जहां फार्मा, डिजिटल भुगतान, कृषि और तकनीकी क्षेत्र में तेजी से आगे बढ़ रहा है, वहीं वियतनाम दक्षिण-पूर्व एशिया में उभरता हुआ विनिर्माण और निर्यात केंद्र बन चुका है. ऐसे में दोनों देशों की साझेदारी वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला को चीन पर निर्भरता से बाहर निकालने का एक महत्वपूर्ण विकल्प बन सकती है.

विशेष महत्व का विषय रेयर अर्थ और क्रिटिकल मिनरल्स में सहयोग है. आज दुनिया में इलेक्ट्रिक वाहन, सेमीकंडक्टर, रक्षा उपकरण और आधुनिक तकनीक का भविष्य इन्हीं महत्वपूर्ण खनिजों पर निर्भर है. चीन लंबे समय से इन खनिजों की आपूर्ति पर प्रभुत्व बनाए हुए है. भारत और वियतनाम का इस क्षेत्र में सहयोग न केवल आर्थिक सुरक्षा को मजबूत करेगा, बल्कि रणनीतिक आत्मनिर्भरता की दिशा में भी बड़ा कदम साबित होगा. यह समझौता 'मेक इन इंडिया' और वैश्विक विनिर्माण नेटवर्क में भारत की भूमिका को नई ताकत देगा.

दक्षिण चीन सागर को लेकर दोनों देशों का साझा दृष्टिकोण भी अत्यंत महत्वपूर्ण है. संयुक्त बयान में अंतरराष्ट्रीय कानून और संयुक्त राष्ट्र समुद्री कानून संधि के अनुरूप नौवहन की स्वतंत्रता तथा क्षेत्रीय स्थिरता बनाए रखने की बात दोहराई गई है. यह संदेश स्पष्ट रूप से उस विस्तारवादी सोच के विरुद्ध है जो दक्षिण चीन सागर को एकतरफा प्रभाव क्षेत्र में बदलना चाहती है. भारत ने हमेशा मुक्त, समावेशी और नियम-आधारित हिंद-प्रशांत व्यवस्था का समर्थन किया है और वियतनाम इस नीति का स्वाभाविक साझेदार बनकर उभरा है. रक्षा और समुद्री सहयोग बढ़ाने की सहमति भी भविष्य की रणनीतिक दिशा को स्पष्ट करती है. हिंद-प्रशांत क्षेत्र में बढ़ती सामरिक प्रतिस्पर्धा के बीच भारत और वियतनाम का सहयोग क्षेत्रीय संतुलन बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है. आतंकवाद के खिलाफ दोनों देशों का साझा और सख्त रुख यह भी दर्शाता है कि सुरक्षा के मुद्दों पर उनकी सोच समान है.

आर्थिक और रणनीतिक सहयोग के साथ-साथ यह साझेदारी सांस्कृतिक और जनसंपर्क स्तर पर भी मजबूत हो रही है. भारत के अंगूर और अनार वियतनाम पहुंचेंगे, भारतीय दवाओं की वहां पहुंच बढ़ेगी और यूपीआई को वियतनाम की त्वरित भुगतान प्रणाली से जोड़ने की पहल डिजिटल कनेक्टिविटी का नया अध्याय खोलेगी. यह आधुनिक एशिया की उस तस्वीर को सामने लाता है, जहां व्यापार, तकनीक और रणनीति एक-दूसरे के पूरक बन रहे हैं.

स्पष्ट है कि भारत और वियतनाम की यह नई साझेदारी केवल दो देशों का समझौता नहीं, बल्कि बदलते एशियाई शक्ति समीकरणों की महत्वपूर्ण घोषणा है.

सोमनाथ हमारी सभ्यता का अटूट संकल्प है

नरेंद्र मोदी
(प्रधानमंत्री)

> मैं सभी देशवासियों से आग्रह करता हूं कि इस पावन अवसर पर पवित्र सोमनाथ धाम की यात्रा करें और इसकी भव्यता के साक्षात दर्शन करें.जब आप सोमनाथ के तट पर खड़े होंगे, तब उसकी प्राचीन प्रतिध्वनियों को अपने भीतर महसूस करेंगे. वहां आपको केवल भक्ति का अनुभव नहीं होगा, बल्कि उस सभ्यतागत चेतना की सशक्त धड़कन भी सुनाई देगी, जो कभी रुकी नहीं, जिसकी तीव्रता कभी कम नहीं हुई.वहां आप भारत की उस अपराजित आत्मा का अनुभव करेंगे, जिसने हर आघात के बावजूद अपनी पहचान और अपनी संस्कृति को अक्षुण्ण बनाए रखा.आप समझ पाएंगे कि इतने प्रयासों के बाद भी क्यों हमारी सभ्यता मिट नहीं सकी. वहां आपको चिर विजय के उस दर्शन का अनुभव होगा, जो सदियों से भारत की शक्ति बना हुआ है.मुझे पूरा विश्वास है कि आपके लिए यह एक अविस्मरणीय अनुभव होगा.

जय सोमनाथ !

वर्ष 2026 की शुरुआत में मुझे सोमनाथ स्वाभिमान पर्व में सम्मिलित होने का सौभाग्य मिला.यह सोमनाथ मंदिर पर हुए पहले आक्रमण के एक हजार वर्ष बाद भी मंदिर के शाश्वत और अविनाशी होने का पर्व था.अब 11 मई को मुझे एक बार फिर सोमनाथ जाने का सुअवसर प्राप्त हो रहा है. इस बार यह यात्रा पुनर्निर्मित सोमनाथ मंदिर के लोकार्पण की 75वीं वर्षगांठ के उपलक्ष्य में है.मैं उस क्षण को फिर जीने जा रहा हूं जब भारत के प्रथम राष्ट्रपति डॉ. राजेंद्र प्रसाद जी ने मंदिर का लोकार्पण किया था.उस दिन, सोमनाथ में विध्वंस से सृजन तक की यात्रा फिर से जीवंत होगी.

छह महीनों के भीतर सोमनाथ के इतिहास से जुड़े इन दो अत्यंत महत्वपूर्ण पड़ावों का साक्षी बनना मेरे लिए बहुत सौभाग्य की बात है. सोमनाथ केवल एक मंदिर नहीं, हमारी सभ्यता का अटूट संकल्प है. इसके सामने लहराता विशाल समुद्र अनंत काल की अनुभूति कराता है.इसकी लहरें हमें सिखाती हैं कि तूफान चाहे कितने भी विकराल क्यों न हों, मनुष्य का साहस और आत्मबल हर बार फिर से उठ खड़ा होने में सक्षम है.तट से टकराती लहरें सदियों से यह उद्घोष कर रही हैं कि मानवीय चेतना को लंबे समय तक दबाया नहीं जा सकता है.हमारे प्राचीन शास्त्रों में लिखा है- प्रभासं च परिक्रम्य पृथिवीक्रमसंभवम्.अर्थात दिव्य प्रभास (सोमनाथ) की परिक्रमा पूरी पृथ्वी की परिक्रमा के समान है! जब लोग यहां दर्शन-पूजन के लिए आते हैं, तब उन्हें उस सभ्यता की अद्भुत निरंतरता का भी अनुभव होता है, जिसकी ज्योति कभी बुझाई नहीं जा सकी.

कई साम्राज्य आए और गए, समय बदला और इतिहास ने ढेरों उतार-चढ़ाव देखे, फिर भी सोमनाथ हमारे हृदय में हमेशा बना रहा. यह समय उन असंख्य महान विभूतियों के स्मरण का भी है, जो क्रूर आक्रांताओं के सम्मुख अडिग रहे.लकुलीश और सोम शर्मा जैसे मनीषियों ने प्रभास को शैव दर्शन का महान केंद्र बनाया.चक्रवर्ती महाराज धारसेन चतुर्थ ने सदियों पहले वहां दूसरा मंदिर बनवाया था.समय की कठिन परीक्षा के बीच भीम प्रथम, जयपाल और आनंदपाल जैसे शासकों ने आक्रमणों के विरुद्ध अपनी सभ्यता की ढाल बनकर मंदिर की रक्षा की थी. ऐसा माना जाता है कि महान राजा भोज ने भी इस पावन स्थल के पुनर्निर्माण में अपना अमूल्य योगदान दिया था.कर्णदेव सोलंकी और जयसिंह सिद्धराज ने गुजरात की राजनीतिक और सांस्कृतिक शक्ति को पुनर्स्थापित करने में अहम भूमिका निभाई.भाव बृहस्पति, कुमारपाल सोलंकी और पाशुपताचार्यों ने इस तीर्थ को आराधना और ज्ञान के केंद्र के रूप में स्थापित करने में अमूल्य योगदान दिया.

विशालदेव वाघेला और त्रिपुरांतक ने इसकी बौद्धिक और आध्यात्मिक परंपराओं की रक्षा की.महिपाल चूड़ासमा और राव खंगार चूड़ासमा ने विध्वंस के बाद पूजा-पाठ की परंपरा को पुनर्जीवित किया. पुण्यश्लोक अहिल्याबाई होल्कर, जिनकी 300वीं जयंती मनाई जा रही है, उन्होंने सबसे चुनौतीपूर्ण समय में भी भक्ति की परंपरा को जीवंत रखा.बड़ौदा के गायकवाड़ों ने तीर्थयात्रियों के अधिकारों की रक्षा की.इसके साथ ही हमारी यह धरती वीर हमीरजी गोहिल, वीर वेगड़ाजी भील जैसे पराक्रमियों से धन्य हुई है.उनके साहस और बलिदान को आज भी याद किया जाता है.1940 के दशक में स्वतंत्रता की भावना पूरे भारत में फैल रही थी.

सरदार पटेल जैसे महान नेताओं के नेतृत्व में स्वतंत्र भारत की नींव रखी जा रही थी.ऐसे में एक बात जो उन्हें बहुत व्यथित करती थी, वह थी- सोमनाथ की दुर्दशा.13 नवंबर 1947 को, दिवाली के समय, उन्होंने सोमनाथ के जर्जर अवशेषों के सामने खड़े होकर, समुद्र का जल हाथ में लेकर संकल्प लिया, ''इस (गुजराती) नववर्ष पर हमारा निश्चय है कि सोमनाथ का पुनर्निर्माण होगा. सौराष्ट्र के लोगों को इसके लिए हर तरह से अपना योगदान देना होगा.यह एक पावन कार्य है, जिसमें हर किसी को भागीदारी निभानी होगी.'' उनके इस आह्वान ने सिर्फ गुजरात ही नहीं, बल्कि संपूर्ण भारतवर्ष को नए उत्साह से भर दिया.दुर्भाग्यवश, सरदार पटेल अपने उस सपने को साकार होते नहीं देख सके, जिसके लिए उन्होंने स्वयं को समर्पित कर दिया था.इससे पहले कि जीर्णोद्धार के बाद सोमनाथ मंदिर भक्तों के लिए खुलता, उन्होंने इस दुनिया को अलविदा कह दिया.

इसके बावजूद, प्रभास पाटन की पावन धरती पर उनका प्रभाव निरंतर महसूस किया जाता रहा है.उनके विजन को के.एम. मुंशी ने आगे बढ़ाया, जिन्हें नवानगर के जामसाहेब का समर्थन मिला.1951 में मंदिर का पुनर्निर्माण पूरा होने पर राष्ट्रपति डॉ. राजेंद्र प्रसाद को उद्घाटन के लिए आमंत्रित किया गया.तत्कालीन प्रधानमंत्री पंडित नेहरू के विरोध के बावजूद, डॉ. प्रसाद ने समारोह में हिस्सा लेकर इसे ऐतिहासिक बना दिया.मुझे अक्टूबर 2001 का वह समय आज भी अच्छे से याद है, जब मैंने मुख्यमंत्री के रूप में दायित्व संभाला था.31 अक्टूबर 2001 को, सरदार पटेल की जयंती के अवसर पर गुजरात सरकार ने सोमनाथ मंदिर के पुनर्निर्माण की 50वीं वर्षगांठ का भव्य आयोजन किया.इसी समय सरदार पटेल की 125वीं जयंती भी मनाई जा रही थी.

इस कार्यक्रम में तत्कालीन प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी जी और तत्कालीन गृहमंत्री श्री लालकृष्ण आडवाणी जी की मौजूदगी ने इसे और भी गरिमापूर्ण बना दिया.11 मई 1951 को अपने भाषण में डॉ. राजेंद्र प्रसाद ने कहा था कि सोमनाथ मंदिर दुनिया को यह संदेश देता है कि अद्वितीय श्रद्धा और विश्वास को कभी नष्ट नहीं किया जा सकता. उन्होंने आशा व्यक्त की, कि यह मंदिर सदैव लोगों के हृदय में बसा रहेगा.उन्होंने यह भी कहा कि मंदिर के पुनर्निर्माण से सरदार पटेल का सपना साकार हुआ है.उन्होंने इस बात पर भी बल दिया कि सरदार पटेल की भावनाओं के अनुरूप लोगों के जीवन में समृद्धि भी लानी होगी.इसको लेकर उनके संदेश अत्यंत प्रेरणादायी रहे हैं.पिछले एक दशक से हम इसी मार्ग पर चल रहे हैं.'विकास भी, विरासत भी' के मंत्र से प्रेरित होकर सोमनाथ से काशी, कामाख्या से केदारनाथ, अयोध्या से उज्जैन और त्रयंबकेश्वर से श्रीशैलम तक, हमने अपने आध्यात्मिक केंद्रों को आधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित किया है.इसके साथ ही उनकी पारंपरिक पहचान को भी बनाए रखा है.आज बेहतर कनेक्टिविटी से ज्यादा से ज्यादा लोग यहां आ पा रहे हैं. इससे स्थानीय अर्थव्यवस्था को बल मिल रहा है, आजीविका सुरक्षित हो रही है, साथ ही 'एक भारत, श्रेष्ठ भारत' की भावना और सशक्त हो रही है.

सोमनाथ की रक्षा और इसके पुनर्निर्माण के लिए जिन्होंने अपना सर्वस्व बलिदान किया, उनका संघर्ष हम कभी नहीं भुला सकते.भारत के विभिन्न हिस्सों से आए लोगों ने इसकी भव्यता और दिव्यता को लौटाने में अपना अद्भुत योगदान दिया.उनकी ऐसी ही आस्था पूरे भारतवर्ष को लेकर भी थी.वे एकता की ऐसी अद्भुत डोर से बंधे थे, जिसे जमीनी सीमाओं में नहीं बांटा जा सकता.आज की विभाजित दुनिया में, सोमनाथ से मिलने वाली एकता की यह सीख पहले से कहीं अधिक प्रासंगिक है. सोमनाथ अपनी गौरवशाली परंपरा के साथ हमेशा खड़ा रहेगा, क्योंकि यह हमारी साझा सभ्यता का प्रतीक है. इसी गौरव को नमन करते हुए बलिदान देने वाले वीरों की स्मृति में और दानवीरों की उदारता को याद करते हुए अगले एक हजार दिनों तक यहां विशेष पूजा आयोजित की जाएगी.

यह देखकर बहुत प्रसन्नता हो रही है कि बड़ी संख्या में लोग इस पुनीत कार्य में अपना योगदान दे रहे हैं.सोमनाथ हमें याद दिलाता है कि जब कोई समाज अपनी आस्था, अपनी संस्कृति और अपनी एकता से जुड़ा रहता है, तब उसे लंबे समय तक दबाया नहीं जा सकता. आज भी हमारी सबसे बड़ी शक्ति यही साझा चेतना है, यही एकात्म भाव है. यही भावना हमें विभाजन से ऊपर उठकर राष्ट्रहित में साथ चलने की प्रेरणा देती है.

महाकौशल की डायरी

कांग्रेस की नई कार्यकारिणी को लेकर उभरे असंतोष के स्वर

अविनाश दीक्षित

जबलपुर के जिला कांग्रेस कमेटी के नए गठन ने संगठन के भीतर भारी असंतोष को जन्म दे दिया है. घोषित नई कार्यकारिणी में ऐसे कई जमीनी कार्यकर्ताओं को तवज्जो नहीं मिली जिन्होंने विपरीत हालात में भी कांग्रेस का दामन मजबूती से थामे रखा. मौजूदा परिस्थिति को लेकर स्थानीय राजनीति के जानकारों का मानना है कि जिस तरह कांग्रेस में आपसी प्रतिद्वंदिता बढ़ती जा रही है उसके कारण आने वाले चुनाव में कांग्रेस की जीती हुई सीट को बचाना बेहद मुश्किल साबित हो सकता है.

खबर तो ये भी है कि कांग्रेस की नई कार्यकारिणी में ऐसे नामों को दरकिनार किया गया है जो कि सालों से स्थानीय तौर पर कांग्रेस की रीढ़ माने जाते रहे हैं. कार्यकारिणी से

दरकिनार किए गए कांग्रेसियों का स्पष्ट कहना है कि जमीनी कार्यकर्ताओं की अनदेखी का दुष्परिणाम संगठन को भविष्य में होने वाले चुनाव में जरूर दिखेगा. कुछ स्थानीय कर्मठ कांग्रेसी तो ये कहते भी देखे जा रहे हैं कि कांग्रेस के कई ब्लॉक अध्यक्ष तो भाजपा की गोद में बैठे हैं और वे कभी नहीं चाहेंगे कि ईमानदार दमदार कार्यकर्ता पार्टी में आएं और संगठन को मजबूत बनाएं. वहीं कांग्रेस की नई कार्यकारिणी घोषित होने के बाद स्थानीय तौर पर विरोध के स्वर दिनों दिन मुखर होते जा रहे हैं. विगत दिवस ही एक असंतुष्ट पदाधिकारी ने इस्तीफ़ा देकर इस बात को पुष्ट कर दिया कि जबलपुर कांग्रेस कमेटी में सतही तौर पर दिख कुछ रहा है किन्तु अंदरूनी हकीकत कुछ और ही है.

बालाघाट में पाला बदलने की सुगबुगाहट

बालाघाट की राजनीति में एक बड़े बदलाव के कयास लगाए जाने लगे हैं. सूत्रों की माने तो जिला कांग्रेस कमेटी बालाघाट के कुछ विधायक और वरिष्ठ नेता भाजपा के संपर्क में चल रहे हैं और आने वाले समय में पार्टी बदल सकते हैं. राजनैतिक जानकारों का मानना है कि प्रदेश में पहले भी कांग्रेस को कई झटके लग चुके हैं ऐसे में अगर कोई पार्टी बदलता है तो ये एक और बड़ा वज्रपात होगा. कांग्रेस में कुछ विधायक पार्टी के शीर्ष नेतृत्व से खफा चल रहे हैं और संगठन में उपेक्षा का आरोप भी लगा रहे हैं. एक यही मुख्य वजह है कि पार्टी बदलने की बात सामने आने लगी है. लिहाजा कांग्रेस के स्थानीय फूल छाप नेताओं का कहना है कि पार्टी पूरी तरह एकजुट है.

ए ग्रेड की यूनिवर्सिटी मगर शिक्षक मेहनताना को मोहताज

क्या इस सत्र भविष्य में होने वाली स्नातक व स्नातकोत्तर की लगभग सभी परीक्षाओं के परिणाम जारी नहीं होंगे... क्या आने वाले सत्र की पढ़ाई देर से शुरू होगी और विवि व इससे संबंद्धित कॉलेजों के विद्यार्थियों की पढ़ाई प्रभावित होगी? ये सारे सवाल राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद् (नैक) द्वारा प्रदत्त ए ग्रेड के रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय प्रशासन के सामने इन दिनों चुनौती बनकर खड़े हुए हैं. इसकी मुख्य वजह ये है कि रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय से जुड़ी परीक्षाओं की उत्तरपुस्तिकाएं जांचने वाले करीब सैंकड़ों अतिथि शिक्षक और प्राध्यापकों के करीब 50 लाख रुपए अटके हुए हैं, ऐसे में शिक्षकों में नाराजगी बढ़ती जा रही है, और वह पूरा गुस्सा विवि प्रशासन की कार्यशैली पर उतार रहे हैं. खबर है कि वश्वविद्यालय द्वारा वर्ष 2023 से 2025 तक कॉपियां जांचने वाले सैंकड़ों शिक्षकों को अब तक भुगतान नहीं किया गया है. विदित हो कि अभी विश्वविद्यालय और संबद्ध महाविद्यालयों के बहुत कम नियमित प्राध्यापक कॉपी जांचने का कार्य करते हैं. लेकिन ऐसे में अब यह जिम्मेदारी पूरी तरह अतिथि शिक्षकों के भरोसे हो जाएगी. अराजक माहौल के बीच जो खबर निकलकर आ रही है उससे तो स्पष्ट नजर आ रहा है कि कई नियमित प्राध्यापक मूल्यांकन कार्य से दूरी बनाने लगे हैं. वहीं आरडीवीवी के परीक्षा नियंत्रक एसके दुबे ने आश्वासन दिया है कि बिलों का सत्यापन कर उन्हें लेखा विभाग भेज दिया गया है, जल्द भुगतान कराने का प्रयास किया जा रहा है. लेकिन जिम्मेदार के इस आश्वासन को शिक्षक, प्राध्यापक गंभीरता से नहीं ले रहे हैं. मूल्यांकन कार्य करने के बाद मेहनताना न मिलने से नाराज शिक्षकों, प्राध्यापकों द्वारा विवि प्रशासन के गलियारों में खुलेआम विरोध भी जताया जा रहा है. ऐसे में नैक द्वारा प्रदत्त ए ग्रेड के विवि की छवि कहीं न कहीं धूमिल होती नजर आ रही है. खबर तो ये भी है कि अब पीड़ित शिक्षक भोपाल कूच कर शिक्षा विभाग के उच्च अधिकारियों के दरबार भी जाने वाले हैं.

डॉलर के मुकाबले कमजोर होता रुपया

युद्ध और होरमुज नाकेबंदी से ऊर्जा संकट बढ़ता चला गया. अप्रैल में 114.48 डॉलर प्रति बैरल कच्चे तेल के दाम हो गए थे. अभी भी यह दर 113 डॉलर बनी हुई है. तेल के दाम में उछाल से अर्थव्यवस्था सीधे तौर पर प्रभावित होती है.

डॉलर के मुकाबले रुपये का बुरी तरह गिरते चले जाना भारी आर्थिक चुनौतियों का संकेत दे रहा है. कौन सोच सकता था कि 1 डॉलर 95 रुपए से भी ज्यादा का हो जाएगा? यही सिलसिला जारी रहा तो शायद सेंचुरी भी हो सकती है. अमेरिका व इजराइल के ईरान के साथ जारी युद्ध को इस हालत के लिए जिम्मेदार माना जाता है लेकिन रुपए की गिरावट तो पश्चिम एशिया युद्ध के पहले से चली आ रही है. गत वर्ष डॉलर के मुकाबले रुपया 5 प्रतिशत गिरा था. युद्ध और होरमुज नाकेबंदी से ऊर्जा संकट बढ़ता चला गया. अप्रैल में 114.48 डॉलर प्रति बैरल कच्चे तेल के दाम हो गए थे. अभी भी यह दर 113 डॉलर बनी हुई है. तेल के दाम में उछाल से अर्थव्यवस्था सीधे तौर पर प्रभावित होती है. संभावना है कि 2026-27 में चालू खाते का घाटा लगभग 2 प्रतिशत बढ़ जाएगा. पूंजी के प्रवाह पर दबाव बना हुआ है. विदेशी संस्थागत निवेशकों ने स्टाक मार्केट से 21.2 बिलियन डॉलर की मोटी रकम निकाल ली. इसके पहले गत वर्ष भी विदेशी निवेशकों ने 189 बिलियन डॉलर वापस निकाल लिए थे. केंद्रीय बैंक रुपए पर दबाव को कम करने का प्रयास कर रहा है लेकिन इन कदमों का असर होता दिखाई नहीं देता. रिजर्व बैंक ने एक सीएनआर-बी डिपॉजिट से डॉलर निकालकर फंडिंग करने की कोशिश की. तेल कंपनियों की घाटे की शिकायतें बढ़ गई हैं. कमर्शियल गैस सिलेंडर के दाम बढ़ाकर 113 रुपए कर दिए गए जिसका असर होटल, रेस्टोरेंट व्यवसाय पर पड़ा है. चुनाव खत्म हो जाने के बाद कभी भी पेट्रोल-डीजल के दाम बढ़ाए जाने की आशंका बढ़ गई है. युद्ध जल्दी समाप्त नहीं हुआ तो महंगाई और बढ़ने तथा रुपए के इसी तरह गिरते रहने के आसार बने रहेंगे.

संपादकीय बोर्ड | प्रबंध संपादक : सुमीत माहेश्वरी, समूह संपादक : क्रांति चतुर्वेदी

शब्द-सागर : डॉ. सागर खादीवाला

CROSS WORD 12251 - डॉ. सागर खादीवाला

ऊपर से नीचे
1. आदर या सम्मान के साथ (सं.) 2. शब्द करना 3. स्मृति, स्मरण करने की क्रिया 4. बहुत ही दबककर धीरे से बोलना 5. लीन या अनुरक्त करना 6. लोकनायक 8. भयंकर, कठिन, दुर्गम, भीषण (सं.) 12. कब्र पर बनी इमारत 13. गौतम बुद्ध की पत्नी 14. स्वामित्व, मालिक जैसा, जमींदारी का हक 17. सत्त, निष्कर्ष, तात्पर्य, अर्क (सं.) 18. अनुचर या समर्थक वर्ग, समूह, गिरोह, वर्ग, श्रेणी (सं.)

बाएं से दाएं
1.ग्रॅन्ड स्लॅम जीतने वाली भारतीय टेनिस खिलाड़ी 5. धूल, गर्द, पराग (सं.) 7. लगातार, दन-दन शब्द सहित 8. वायुयान, असम्मान, सजी हुई अर्थी, सात मंजिलों वाला मकान (सं.) 9. दांत (सं.) 10. चौकन्ना होना, रोमांचित होना, अरुचिकर लगना 11. झुकना, प्रणाम करना 15. भला, सज्जन, शिष्ट 16. भारतीय टेनिस खिलाड़ी से विवाह करने वाला पाकिस्तानी क्रिकेटर 17. शाक, भाजी, तरकारी 19. मार्ग, राह 20. किसी वस्तु, पर पड़ा आवरण या पर्दा हटाना (सं.)

Solution 12250

द	ल	ब	द	ल	■	न	ख
शा	ख	■	श	ह	स	वा	र
■	प	■	ह	र	■	ग	त
स	ती	चौ	रा	■	भू	त	ल
व्य	■	मा	■	मा	ल	■	■
सा	ज	सा	मा	न	■	आ	भा
ची	र	■	■	सि	कं	द	र
■	दा	र्श	नि	क	■	र	त

ज्योतिषाचार्य पंडित प्रियंका नारायणशंकर व्यास, कोतवाली बाजार, जबलपुर (म.प्र.)

आज जिनका जन्मदिन है

वर्ष के प्रारंभ में नई योजनाओं का शुभारंभ होगा, सांसारिक सुखों की वृद्धि होगी, वर्ष के मध्य में पारिवारिक सुख अच्छा रहेगा, व्यापार व्यवसाय में सुधार होगा, वर्ष के मध्य में पारिवारिक सुख अच्छा रहेगा, व्यापार में सुधार होगा, वर्ष के अन्त में उतावलीपन में लिये गये निर्णय से हानि होगी, शत्रु पक्ष प्रबल रहेगा, अत्याधिक परिश्रम से मन व्यथित रहेगा.

मेष और वृश्चिक राशि के व्यक्तियों को शत्रु पक्ष प्रबल रहेगा, वृष और तुला राशि के व्यक्तियों को अत्याधिक परिश्रम से मन दुखी होगा, कर्क और सिंह राशि केव्यक्तियों को उतावलेपन में लिये गये निर्णय में सुधार होगा, धनु और मीन राशि के व्यक्तियों को कार्यो में वृद्धि होगी, मकर और कुंभ राशि के व्यक्तियों को पारिवारिक जीवन में सफलता मिलेगी, मिथुन और कन्या राशि के व्यक्तियों को सावधानी पूर्वक कार्यो में लगना होगा.

आज जन्मे शिशु का भविष्य

आज जन्म लिया बालक दुबला पतला, किन्तु लम्बे कद का परिश्रमी, परोपकारी एवं न्यायप्रिय रहेगा, 32 वर्ष की आयु के बाद विशेष उन्नति होगी, राजकीय कार्यो में सफलता प्राप्त करेंगे, स्वाभिमानी तथा शिक्षा दीक्षा उत्तम होगी.

उदयकालीन ग्रह चाल

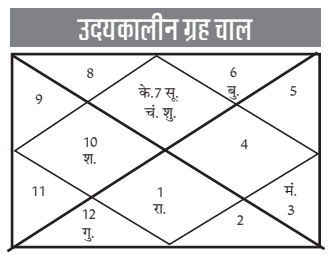

पंचांग

रा.मि. 18 संवत् 2083 शुद्ध ज्येष्ठ कृष्ण षष्ठी भृगुवासरे दिन 8/24, उत्तराषाढ़ नक्षत्रे शाम 5/46, शुभ योगे रात 11/15, वणिज करणे सू.उ. 5/27, सू.अ. 6/33, चन्द्रचार मकर, शु.रा. 10, 12, 1, 4, 5, 8 अ.रा. 11, 2, 3, 6, 7, 9 शुभांक- 3, 5, 9.

व्यापार भविष्य

शुद्ध ज्येष्ठ कृष्ण षष्ठी को उत्तराषाढ़ नक्षत्र के प्रभाव से जौ, चना, बाजरा, के भाव में तेजी होगी, गुड, खांड, में घटबढ़ रहेगी, सोना, चांदी, की चाल में सुधार होगा, सरसों तिल, तेल, में साधरण तेजी होगी. भाग्यांक 2354 है.

मेष- तनाव दूर होगा, विपरीत हालात में समझौता करना ठीक रहेगा, जिस मामले में आप प्रयास कर रहे हैं,उसमें सफलता मिलेगी, संयम रखें.

वृषभ- जीवनसाथी के स्वास्थ्य की चिन्ता रहेगी, धन लाभ के अवसर आयेंगे, पारिवारिक दायित्वों की पूर्ति होगी, मानसिक संतोष रहेगा.

मिथुन- मित्रों की कहासुनी से दुख होगा, भय से छुटकारा मिलेगा, लाभ होगा पर कम, लापरवाही से नुकसान हो सकता है, वाद विवाद से बचें.

कर्क- उच्च अध्ययन में बेहतर परिणाम मिलने की संभावना है, सुख सुविधा पर खर्च होगा, रूके मामलों में गति आयेगी, स्वास्थ्य में ताजगी रहेगी.

सिंह- झूठ बोलकर लोग भ्रमित कर सकते हैं, हक के लिये संघर्ष करना पडेगा, ज्यादा, जोड़तोड़ से नुकसान हो सकता है, निजी मामलों को स्वयं करें.

कन्या- सामूहिक कार्य में सबकी सहमति से कार्य करें, कोर्ट कचहरी के मामले सुलझेंगे, कल की अपेक्षा आज के कार्य पर ध्यान रखकर कार्य करना हितकर रहेगा.

तुला- दूसरों की बातों में आकर अपनों से दूरियां बना लेंगे, प्रतियोगी परीक्षा में सफलता मिलेगी, आपकी उपयुक्त बात को बल मिलेगा, महत्वपूर्ण कार्य योजना बनेगी.

वृश्चिक- वित्तीय मामले सुलझेंगे, ऐसी कोई बात मालुम होगी, जिससे आपके बाहर जाने की योजना बनेगी, स्वास्थ्य में थकान महसूस होगी.

धनु- व्यापारिक सौदेबाजी लाभदायक रहेगी, पारिवारिक आयोजनों से प्रसन्नता होगी, विवाद पर संयम रखें, खर्च की अधिकता से मन अशांत रह सकता है.

मकर- मधुर वाणी से सबको जीत लेंगे, प्रियजन से मुलाकात सुखद रहेगी, नई परेशानी आने से आपका महत्वपूर्ण कार्य रूक सकता है, सावधानी रखें.

कुम्भ- बुजुर्गो के स्वास्थ्य की चिन्ता रह सकती है, जीवनसाथी के व्यवहार से खिन्नता बढेगी, मान प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी, अधिकारी आपकी मदद करेंगे.

मीन- मित्रों की मदद से अधूरे कार्य पूरे होंगे, नई जगह पर खुद को असहज महसूस करेंगे, पुराना कार्य व्यवस्थित करें, नये काम को स्वरूप देने का प्रयास होगा.

SUDOKU 7383

7	4	6		1		8		2
	5		8		7			
9				6				
	6		7	9		5		3
5				4				1
3		1		8	2		7	
				5				6
			4		3		9	
4		3		2		1	5	7

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक है. इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है. आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 333 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें. पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते. पहेली का केवल एक ही हल है.

नवभारत सू-दोकू 7382

8	7	9	4	2	5	6	1	3
5	6	3	8	1	7	4	2	9
4	1	2	6	9	3	5	8	7
1	9	8	3	7	4	2	6	5
7	3	4	2	5	6	8	9	1
2	5	6	1	8	9	7	3	4
9	8	5	7	3	2	1	4	6
6	2	7	9	4	1	3	5	8
3	4	1	5	6	8	9	7	2